बदलती मानसिकताएँ

देवेश विजय
ज़ाकिर हुसैन दिल्ली कॉलिज

सामान्य अनुमान

मानववाद, व्यक्तिवाद, तर्कवाद तथा जनतांत्रिक चेतना

वैश्वीकरण तथा 'नकारात्मक' प्रवृत्तियाँ

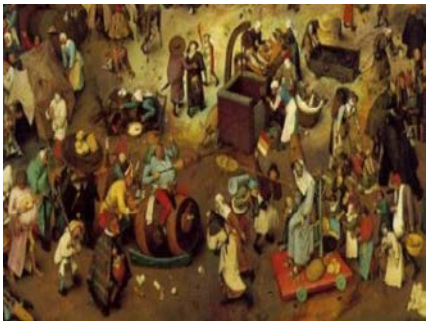

प्रामाणिक विधि की समस्या

मानसिकताओं की अवधारणा

सामान्यीकरण की प्रासंगिकता

प्रारंभिक आधुनिक काल की तबदीलियाँ

मानसिक तब्दीलियाँ: इतनी दूभर क्यों?

अंधविश्वासों में कमी ?

'अंधविश्वास': विरोधी अवधारणाएं

वैज्ञानिक विधि तथा अंधविश्वास में भेद

जादू और धर्म का अंतर

उत्तर मध्य काल से प्रारंभिक आधुनिक काल की ओर

पुर्नजागरण, मानववाद और रहस्यवाद

‘डायनों’ की ढूंढ और उत्पीड़न

सत्रहवीं शताब्दी: बड़े बदलाव का आरंभ

जनसाधारण में परिवर्तन

आज के अंधविश्वास

राजनैतिक चेतना का विकास

आधुनिकता और विद्रोही चेतना

सांस्कृतिक भिन्नताएँ

प्रारंभिक आधुनिक यूरोप

बढ़ती राजनैतिक चेतना

पश्चिमी यूरोप की विशिष्टता

रोज़मर्रा के वर्ग संघर्ष

सांझी विशेषताएँ

उपलब्धियाँ

अठारहवीं शताब्दी

ताइपिंग विद्रोह: एक तुलनात्मक टिप्पणी

जॉन विल्क्स का किस्सा

संदर्भ सूची

1. उदाहरणार्थ के लिए: रोजर शर्ते, द कल्चरल ऑरिजिंस ऑफ द फ्रैंच रिवोल्यूशन, ड्यूक यूनिवर्सिटी प्रेस, 1999?1; लिन हंट संपादित, द न्यू कल्चरल हिस्ट्री, कैलिफोर्निया प्रेस, 1984 तथा रणजीत गुहा स., सबाल्टर्न स्टडीज़, ऑक्सफोर्ड यूनिवर्सिटी, 1984 इत्यादि.
2. स्टुअर्ट क्लार्क, फ्रैंच हिस्टोरियंस एंड अर्ली मॉडर्न पॉपुलर कल्चर, पास्ट एंड प्रेज़ेन्ट, 1983.
3. एरिक हॉब्सबॉम, द एज ऑफ रिवोल्यूशन, रुपा, 1997.
4. देखें: मैक्स वेबर, द एग्रेरियन सोशियोलौजी ऑफ एंशियन्ट सिविलाइज़ेशन, एन. एल. बी., 1962. एक अन्य विचारधारा के अनुसार कम से कम ब्रिटेन में 'आधुनिक' माने जाने वाली कई अहम् प्रवृत्तियां तेरहवीं शताब्दी से ही विद्यमान थीं। उदाहरण के लिए देखें: ऐलेन मैक्फर्लेन, द कल्चर आफ कैपिटलिज़्म, ब्लैकवैल, 1987 तथा एफ. डब्ल्यू. मेटलेन्ड, सलैक्टेड हिस्टॉरिकल एसेस् कैम्ब्रिज, 1957.
5. प्रमुख उत्तर औपनिवेशिक तर्कों के लिए देखें: एडवर्ड सईद, ओरियन्टलिज़म, 1972 तथा शुरुआती समाजशास्त्री. नज़रियों की आलोचना के लिए देखें: जे. एम. ब्लॉट, एट यूरोसेंट्रिक थिंकर्स, गिलफोर्ड प्रैस, 2000.
6. प्रारंभिक आधुनिक यूरोप में परिवर्तन की तीव्रता के लिए देखें: नारबर्ट एलियस, द सिविलाइज़िंग प्रोसेस, ब्लैकवैल, 1994.
7. जेम्स रोसनो, टरब्यूलैंस इन वर्ल्ड पौलिटिक्स, पौलिटी, 1991.
8. हरबर्ट मार्कस, वन डाइमैंशनल मैन, रौटलेज, 1964 तथा मिखेल बाख्तिन, रैबेले एंड हिस वर्ल्ड, इंडियाना यूनिवर्सिटी प्रेस, 1944.
9. पीटर बर्क, न्यू पर्सपेक्टिव्स् ऑन हिस्टोरिकल राइटिंग, पॉलिटी प्रेस, 1981.
10. कार्ल मार्क्स, द क्लास स्ट्रगल्स इन फ्रांस, सलेक्टिड वर्क्स, प्रोग्रेस पब्लिशर्स.
11. वारेन किड, कल्चर एंड आइडेन्टिटी, पाल्ग्रेव, 2002.
12. क्लिफर्ड गेयर्ज़, द इन्टरप्रेटशन ऑफ कल्चर, वर्सो, 1971.
13. रूथ बैनेडिक्ट, पैटर्नस् ऑफ कल्चर, मैन्टर बुक्स, 1946.
14. जे. एम. ब्लॉट, 2000, पूर्वोद्धृत.
15. विस्तृत टिप्पणी के लिए देखें: देवेश विजय, आधुनिक भारत का इतिहास लेखन, आर. एल. शुक्ला संपादित, आधुनिक भारत का इतिहास, हिन्दी माध्यम कार्यान्वय निदेशालय, 1998.
16. पॉल रबिनो, मिशेल फूको: ए रीडर, ऑक्सफोर्ड, 1990.
17. जार्ज ड्यूबी, ट्रैंन्ड्स इन हिस्टोरिकल रिसर्च इन फ्रांस: 1950-1980, पॉलिटी, 1994.
18. पीटर बर्क, पापुलर कल्चर इन अर्ली माडर्न यूरोप, टेम्पलस्मिथ, 1978.
19. कीथ टॉमस, रिलीजन एंड द डिक्लाइन ऑफ मैजिक, निकल्सन, 1970.
20. एफ. ए. येट्स द आकल्ट फिलासफी इन दिन एलिज़िबेथन एज, 1970. 21. जेम्स फ्रेज़र, द गोल्डन बॉ, 1911.
22. पूर्ण संदर्भों के लिए देखें पुस्तक के अंत में संलग्न ग्रंथ सूची.
23. पिएर बोर्दो तथा जे॰ सी॰ पैसेरों, रिप्रोडक्शन: इन एजुकेशन, सोसायटी एंड कल्चर, सेज़, 1977.

24. रैडक्लिफ ब्राउन, स्ट्रक्चर एंड फंक्शन इन प्रिमिटिव सोसायटी, फ्री प्रेस, 1961.
25. जॉन स्टरक, स्ट्रक्चरलिज़्म एंड सिन्स, 1985.
26. इवान्स प्रिचर्ड, नुएर रिलीजन, क्लैरेंडन प्रेस, 1956.
27. कार्ल पॉपर, इन सर्च ऑफ ए बैटर वर्ल्ड, रूटलेज़, 1984.
28. जे. ए. शॉप, अर्ली माडर्न इंग्लैंड, आर्नोल्ड, 1987.
29. ऐलन मैक्फर्लेन, 1987, पूर्वोद्धृत.
30. जे. हुईज़िन्गा, द वेनिंग ऑफ द मिडल एजिस्, पेंगुइन, 1924.
31. मार्क ब्लॉक, फ्यूडल सोसाइटी, 1940.
32. जे. ए. शार्प, 1987, पूर्वोद्धृत.
33. फिलिप वोल्फ, द अवेक्निंग ऑफ यूरोप, पेंगुइन, 1968.
34. जॉर्ज होम्स, हेरार्की एंड रिवोल्ट 1320-1450, फोन्टेना, 1975.
35. जे. आर. हेल, रेनेसां यूरोप: 1450-1520, फोन्टेना प्रेस, 1971.
36. पीटर बर्क, द यूरोपीयन रेनेसां: सेन्टर्स एंड पैरिफेरीज़, ब्लैकवैल, 1992.
37. ई. एम. डब्ल्यू टिल्यार्ड, द एलिज़बीथन वर्ल्ड, विन्टाज.
38. पीटर बर्क, 1978, पूर्वोद्धृत.
39. जे. ए. शार्प, 1987, पूर्वोद्धृत.
40. जे. ए. शार्प, पूर्वोक्त.
41. कीथ टॉमस 1970, पूर्वोद्धृत.
42. जे. ए. शार्प, 1987, पूर्वोद्धृत.
43. कीथ टॉमस, 1970, पूर्वोद्धृत.
44. जे. एच. प्लम, एटीथं सैन्चुरी इंग्लैंड, पैलिकन.
45. आर्थर यंग, ट्रेवल्स इन फ्रांस.
46. यूजीन वैबर, फ्राम पीज़ेन्टस टू फ्रेंचमैन, 1976. तथा रॉबर्ट मूशेम्बले, पापुलर कल्चर एंड एलीट कल्चर इन फ्रांस: (1400-1750 लूसि़याना स्टेट यूनिवर्सिटी प्रेस, 1985.
47. जी. गोरर, एक्सपलोरिंग इंग्लिश कैरेक्टर, 1955. हभारे अत्यधिक शिक्षित वर्गों द्वारा गणेश प्रतिमाओं को दुग्धपान कराना इस संदर्भ में स्मरणीय है.
48. डेविड हैल्ड, पॉलिटिकल थियोरी एंड द मॉडर्न स्टेट, वर्ल्डव्यू प्रेस, 1998.
49. बैरिंग्टन मूॅर, सोशल ओरिजिंस ऑफ डिक्टेटरशिप एंड डेमोक्रेसी.
50. कार्ल मार्क्स और एंजेल्स, कम्युनिस्ट मेनिफेस्टो, 1848.
51. थेडा स्कोक्पोल, स्टेट्स एंड सोशल रिवोल्यूशन, 1980.
52. अन्तोनियो ग्राम्शी, सलेक्शंस फ्रॉम द प्रिज़न नोटबुक्स ऑफ अन्तोनियो ग्राम्शी, इन्टरनेशल पब्लिशर्स, 1971.
53. एरिक ओलिन राइट, क्लासेस, वर्सो, 1985.
54. क्रिस्टोफर हिल, द वर्ल्ड टर्नड् अपसाइड डाउन, ऑक्सफोर्ड, यूनिवर्सिटी प्रेस.
55. ज्योफ्रे हैरिस, द डार्क साइड ऑफ यूरोप: द एक्स्ट्रीम राइट टुडे, एडिनबरा यू. प्रेस, 1990.

56. चार्ल्स टिली, फ्राम मोबिलाइजेशन टू रिवोल्यूशन, वैस्टो, 1979 तथा जेम्स दिफ्रोन्ज़ो, रिवोल्यूशनस एंड रिवोल्यूशनरी मूवमैंटस, वैस्टव्यू, 1991.
57. एम. मोलट तथा पी. वोल्फ, द पापुलर रिवोल्यूशंस ऑफ द लेट मिडल एजिस्, जार्ज एलेन, 1976.
58. 17वीं शताब्दी का सतनामी आंदोलन इस प्रवृत्ति का एक विरल विकल्प माना जा सकता है। पर, इसकी भी निश्चित क्षेत्रीय, जातीय तथा वैचारिक सीमाएं थीं। देखें: सतीश चन्द्र, मध्यकालीन भारत: मुगल साम्राज्य, हर आनंद, 1999, इरफान हबीब, द एग्रेरियन सिस्टम ऑफ मुगल इंडिया, ऑक्सफोर्ड, 1999.
59. जार्ज होम्स, 1975, पूर्वोद्धृत.
60. मोलट एंड वोल्फ, 1979, पूर्वोद्धृत.
61. पीटर बर्क, 1978, पूर्वोद्धृत.
62. रोलांड मूनियर, पीज़ेन्ट अपराइज़िंग्स इन सेवेन्टीन्थ सैंचुरी फ्रांस, रशिया एंड चाइना, जार्ज ऐलेन, 1971.
63. वर्नर रोज़ेनर, द पीज़ेन्टरी ऑफ यूरोप, ब्लैकवैल, 1994.
64. माइकेल वाल्ज़र, द रिवोल्यूशन ऑफ द सेन्ट्स, वाइडेन एंड निकल्सन, 1965.
65. मूल दस्तावेज़ों के लिए देखें: माइकल बेलर संपादित, द रेडिकल रेफर्मेशन, कैम्ब्रिज, 1991.
66. क्रिस्टोफर हिल की पूर्वोद्धृत महान पुस्तक के साथ ही देखें: श्यामला भाटिया, आंग्ल क्रांति, पार्थसार्थी गुप्ता सम्पादित, ब्रिटेन का इतिहास, 1985.
67. वर्नर रोज़ेनर के अतिरिक्त देखें: क्रिस्टोफर फ्रीडरिक्स, अर्बन पालिटिक्स इन अर्ली माडर्न यूरोप, रौटलेज, 2000.
68. ई. पी. टाम्पसन, कस्टम्स इन कामन, 1990.
69. एक रोचक विश्लेषण के लिए देखें नटाली ज़ेमन डेविस, द रीज़न्स ऑफ मिसरुल: यूथ ग्रुप्स एंड शारिवारीस इन सिक्सटींथ सैंचुरी फ्रांस, पास्ट एंड प्रेज़ेन्ट, 1971 तथा कार्लो गिन्सबर्ग, द चीज़ एंड द वर्मस, रुले एंड केगान, 1976.
70. पीटर बर्क, 1978, पूर्वोद्धृत.
71. नटाली ज़ेमन डेविस, कल्चर एण्ड सोसायटी इन अर्ली माडर्न फ्रांस, प्रिंसटन यूनिवर्सिटी प्रेस, 1971.
72. जार्ज रूडे, द क्राउड इन हिस्ट्री, जॉन वाइली एंड संस, 1964.
73. वर्नर रोज़ेनर, 1994, पूर्वोद्धृत.
74. जे. आर. रफ, वायलन्स इन अर्ली माडर्न यूरोप, केम्ब्रिज, 2001.
75. जार्ज रूडे, 1994, पूर्वोद्धृत.
76. जेरोम ब्लूम, लॉर्ड एंड पीजेंट इन रशिया, प्रिंसटन यू. प्रेस, 1971 जेम्स स्कॉट, द मॉररल इकानॉमी ऑफ द पीज़ेन्टस, येल यूनिवर्सिटी प्रेस, 1976.
77. आर. आर. पामर, द एज ऑफ द डेमोक्रेटिक रिवोल्यूशन, प्रिंस्टन यू. प्रेस, 1959.
78. जार्ज रूडे, रिवोल्यूशनरी फ्रांस, फौन्टेना, 1970.
79. रेमण्ड विलियम्स, कल्चर एंड सोसायटी, शैटो एंड विण्डस, 1958.
80. जे. एम. ब्लाट, 2000, पूर्वोद्धृत तथा क्रिस्टोफर बेली, द बर्थ ऑफ द मॉडर्न वर्ल्ड, ब्लैकवैल, 2004.
81. ज्यां शैनो, चाइना: फ्राम द ओपियम वार टू नाइंटीन इलैवन रैवोल्यूशन, पैंथिओन, 1967.
82. विन्सेन्ट शीह, द ताइपिंग आइडियोलौजी: इट्स सोर्सेस, इन्टरप्रेटेशन एंड इन्फ्लुएन्सेस, यूनिवर्सिटी ऑफ वॉशिंगटन प्रेस, 1967.

83. 17वीं शताब्दी में, भारत में भी, मुगल साम्राज्य के खिलाफ, यूँ तो अभूतपूर्व विद्रोहों का सिलसिला शुरू हुआ. परंतु, जाट, सिख तथा मराठों के मुगल विरोधी संघर्ष, क्षेत्रीय स्तर पर 'लोकप्रिय' होते हुये भी, सामाजिक बदलाव तथा समता की कल्पना से बिल्कुल अछूते थे. इसी दौर के सतनामी आंदोलन ने अवश्य अभूतपूर्व तरीके से निचली जातियों को दीर्घकाल तक संगठित करने का प्रयास किया परंतु, यह विद्रोह भी क्षेत्रीय और जातीय सीमाओं को अधिक नहीं लांघ पाया. विस्तृत चर्चा के लिए देखें: इरफान हबीब, द एग्रेरियन सिस्टम ऑफ मुगल इण्डिया, ऑक्सफोर्ड, यू. पी. 1999.
84. फ्रैंज़ माइकल तथा चांग चुंग ली, द ताइपिंग रिबैलियन, यु. ऑफ वॉशिंगटन प्रैस, 1966.
85. रेमण्ड विलियम्स, द लांग रिवोल्यूशन, ग्रीनवुड प्रेस, 1961.
86. ई. जे. हाब्सबॉम, द एज ऑफ कैपिटल, रुपा, 1975.
87. ई. एल. आर. लादूरी, द पीज़ेन्ट्स ऑफ लाग्डौक, यू. ऑफ इलिनॉय प्रेस, 1974.
88. अरविन स्टॉब, द ओरिजिन्स ऑफ जेनोसाइड एंड अदर ग्रुप वायलेंस, ब्लैकवैल 1989.
89. जॉन स्कॉट, हू रुल्स ब्रिटेन, पॉलिटी, 1991.
90. फ्रांसिस फूकुयामा, द एंड ऑफ हिस्ट्री, द नेशनल इन्ट्रेस्ट, संख्या 16, 1989.
91. पॉल एकिन्स, ग्रास रुट्स् मूवमैंट्स फॉर ग्लोबल चेंज, रौटलेज, 1992.

विचारणीय प्रश्नः-

1. मानसिकताओं की ऐतिहासिक व्याख्या दूभर है पर, असंभव नहीं। प्रारंभिक आधुनिक काल के यूरोप में आने वाले मानसिक परिवर्तनों पर किए गए आकलन से उदाहरण दे कर स्पष्ट कीजिये।
2. कुलीनों और शोषितों दोनों की ही मानसिकताओं में प्रारंभिक आधुनिक यूरोप में महत्त्वपूर्ण परिवर्तन आये। इस संबंध में इतिहासकारों द्वारा प्रस्तावित 'अंधविश्वासों में कमी' तथा 'राजनैतिक चेतना के विकास' के उदाहरण देकर स्पष्ट कीजिये।